कुसम्ही जंगल बनेगा ईको-टूरिज्म हब 4.84 करोड़ से सजेगा आधुनिक पार्क

स्विस कॉटेज, ट्री हाउस से लेकर इंटरप्रिटेशन सेंटर तक की मिलेंगी सुविधाएं, पर्यटन के साथ बढ़ेंगे रोजगार

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ/गोरखपुर। प्रदेश सरकार अब धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ ईको-टूरिज्म को भी बढ़ावा देने पर जोर दे रही है। इसी कड़ी में गोरखपुर के कुसम्ही जंगल को ईको-टूरिज्म हब के रूप में विकसित किया जाएगा। करीब 4.84 करोड़ रुपये की लागत से यहां आधुनिक ईको पार्क का निर्माण प्रस्तावित है, जिसके लिए पहली किस्त के रूप में 50 लाख रुपये जारी कर दिए गए हैं।

कुसम्ही जंगल। अमर उजाला

बदल रहा है गोरखपुर

सरकार की योजना गोरखपुर को पूर्वांचल के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने की है। इससे न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है और अन्य राज्यों की तुलना में अपनी अलग पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि कुसम्ही जंगल में विकसित होने वाला ईको पार्क अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा।

प्रस्तावित पार्क में पर्यटकों के ठहरने के लिए स्विस कॉटिज और ट्री हाउस बनाए जाएंगे। इसके अलावा योग केंद्र, इंटरप्रिटेशन सेंटर और आधुनिक कैफेटेरिया जैसी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी, ताकि पर्यटकों को प्राकृतिक वातावरण के बीच बेहतर अनुभव मिल सके। उन्होंने बताया कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में ईको-टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करना है, ताकि उत्तर प्रदेश को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर मजबूती से स्थापित किया जा सके।

डीएफओ विकास यादव ने बताया कि परियोजना के पूरा होने के बाद कुसम्ही जंगल न सिर्फ पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनेगा, बल्कि गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों के आर्थिक विकास में भी अहम भूमिका निभाएगा।